शिफते रहमान और शिफते रहीम

मुफ्ती तकी उस्मानी दब.

इस्लाही खुत्बात/१७ उर्दू से खुलासा लिप्यांतरण किया है.

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

शिफते रहमान का प्रदर्शन

अल्लाह की शिफते मेहेरबानी का प्रदर्शन दुनिया मे हर वकत होता है, वो अपने मानने वाले और ना-मानने वाले, सब को अपनी शिफते मेहेरबानी से रिज्क देता है, बल्के ना-मानने वालो को ज्यादा ही देते है, तो रहमान का मतलब ये है के वो फर्क नही करता मोमीन और काफिर की, सब पर उसकी मेहेरबानी हर वकत बराबर पोहोचती रेहती है.

शिफते रहीम का प्रदर्शन

रहीम के माना है जिसकी मेहेरबानी कामिल हो, उसका प्रदर्शन आखिरत मे होगा, वहा काफीरो पर कोई मेहेरबानी नही होगी, लेकिन मोमीनो पर पूरी मेहेरबानी होगी.

दुनिया मे रहमत मुकम्मल नही

अल्लाह की रहमत दुनिया मे भी है, लेकिन मुकम्मल नही, यहा रहमत के साथ तकलीफ भी लगी हुयी है, कोई बडे से बडा बादशाह भी ये दावा नही कर सकता के उसको कोई तकलीफ और दुख नही है, इस दुनिया मे अल्लाह ने राहत के साथ तकलीफ को भी रखा है.

अल्लाह ने तीन आलम पेदा किये है

एक आलम जिसमे सिर्फ राहते, खुशीया, और आराम ही आराम है, और वो जन्नत है.

दुसरा आलम जिसमे सिर्फ तकलीफे अजाब, और सदमे ही सदमे है, और वो जहन्नम है, अल्लाह सब को उससे मेहफूज रखे, आमीन.

तीसरा वो आलम जिसमे राहते और तकलीफे मिली जुली हुवी है, और वो ये दुनिया है.

अल्लाह की रहमत बहुत वसी है, सब पर छायी हुयी है, लेकिन इस आलमे दुनिया मे मुकम्मल नही है, अल्लाह अपनी

मुकम्मल सीफ्ते रहमत का मुजाहरा उस वक्त करेगे जब उनकी तरफ से जन्नत मे जाने वालो को ये पेगाम मिलेगा, आज के बाद तुम पर न कोई खोफ होगा, और न कोई सदमा.

दुनिया मे डरका और मौत का अंदेशा है

दुनिया मे आप अच्छे से अच्छे दस्तरखान पर बेठे हो, और बेहतरीन लजीज खाने सजे हुवे हो, भुख भी लगी हो, और लज्जत के साथ खाना खाते हुवे भी दिल मे डर लगा रेहता है, के कही बदहजमी न हो जये, लेकिन जन्नत मे जो नेमते मिलेगी, उनसे न तो बदहजमी होगी, और न मोत का अंदेशा होगा, वहा जो राहते और नेमते मिलेगी, वो मुकम्मल होगी, इस लिये बुजुरगो ने फरमाया है, अल्लाह दुनिया मे रहमान है, और आखिरत मे रहीम है.

अल्लाह अपने फजलो करम से हमे दुनिया मे रहमानीयत और आखिरत मे रहीमीयत अता फारमाये, आमीन.